

**NAVODAYA VIDYALAYA SAMITI**  
**TERM -I EXAM**  
**CLASS: VIII**  
**MARKING SCHEME**

**SUBJECT: SOCIAL SCIENCE**

**TOTAL MARKS: 80**

<b>Q -1</b>	1	c) Returning something to its original healthy state	
	2	c) Coal	
	3	d) They take millions of years to form and cannot be <b>replaced quickly</b>	
	4	a) A cut on skin heals over time	
	5	b) Because coal reserves may last only another 50 years	
<b>Q-2</b>	1	c) Prithviraj Chauhan	
	2	b) Cholas	
	3	c) Political instability and violent successions	
	4	c) It emerged as a major political centre in northern India	
	5	c) About 9 years	
<b>Q 3</b>	1	c) 1526	
	2	b) Battle of Talikota	
	3	c) Guru Gobind Singh	
	4	c) 1754	
	5	b) Establishment of the Sikh Empire	
<b>Q - 4</b>	1	c) Ankleshwar	
	2	b) Bailadila	
	3	d) Coal	
	4	a) Katni	
	5	c) Oil	
<b>Q -5</b>	1	b) Raigad	
	2	b) Sindhudurg	
	3	d) Dabhol	
	4	c) Vengurla	
	5	c) Portuguese	
<b>Q 6</b>	1	b) It produced high amounts of food grains	
	2	b) Wheat and paddy	
	3	d) Use of traditional seeds	
	4	c) 30 metres	
	5	c) Groundwater is taken out faster than it can be restored	
<b>Q 7</b>	1	a) 1206	
	2	a) Nadir Shah	
	3	b) Vijayanagara Empire	
	4	b) 1498	
	5	c) 1347	
<b>Q 8</b>	1	b) Ashta Pradhana Mandala	
	2	b) Pradhan	
	3	a) Amatya	
	4	a) Gave jagirs to officials	
	5	b) By granting them land	
<b>Q 9</b>	1	इन्स्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन	
	2	2016 में सिक्किम भारत का पहला और एकमात्र राज्य बना जिसने स्वयं को 100% जैविक राज्य घोषित किया।	

	3	1526	
	4	बाबरनामा	
	5	वितमंत्री	
	6	बार्बरी समुद्री डाकुओं	
	7	छत्रपति शिवाजी महाराज	
	8	अहिल्याबाई होल्कर	
Q 10	1	<p>1206 से 1526 तक दिल्ली पर शासन करने वाले पाँच राजवंश थे: गुलाम वंश (या मामलुक वंश), खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैय्यद वंश, और लोदी वंश। ये सभी राजवंश दिल्ली सल्तनत का हिस्सा थे, जो भारतीय उपमहाद्वीप के एक बड़े हिस्से पर शासन करते थे।</p> <p>There were five dynasties that ruled Delhi from 1206 to 1526: the Slave Dynasty (or Mamluk Dynasty), the Khilji Dynasty, the Tughlaq Dynasty, the Sayyid Dynasty, and the Lodi Dynasty. All these dynasties were part of the Delhi Sultanate, which ruled a large part of the Indian subcontinent.</p>	
	2	<p>जैव विविधता की क्षति के कारण सम्पूर्ण विश्व जैव विविधता क्षति की बढ़ती हुई दर का सामना कर रहा है। जैव विविधता क्षति के चार मुख्य कारण हैं- 1. आवासीय क्षति तथा विखण्डन</p> <p>Due to loss of biodiversity, the whole world is facing an increasing rate of biodiversity loss. There are four main causes of biodiversity loss- 1. Habitat loss and fragmentation</p>	
	3	<p>नवीकरणीय संसाधन वे प्राकृतिक संसाधन हैं जिनकी प्रकृति में निरंतर पुनःपूर्ति होती रहती है और वे कभी खत्म नहीं होते, जैसे सूर्य का प्रकाश, हवा, जल और भूतापीय ऊर्जा। ये गैर-नवीकरणीय संसाधनों से भिन्न हैं क्योंकि गैर-नवीकरणीय संसाधनों की सीमित आपूर्ति होती है और उन्हें बनने में लाखों साल लगते हैं, जैसे कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस, जो एक बार उपयोग होने के बाद समाप्त हो जाते हैं।</p> <p>Renewable resources are natural resources that are constantly replenished in nature and never run out, such as sunlight, wind, water and geothermal energy. These are different from non-renewable resources. Because non-renewable resources have a limited supply and take millions of years to form, such as coal, oil, and natural gas, they are exhausted once they are used.</p>	
	4	<p>हमारे वर्तमान उपयोग के लिए वस्तुओं के उत्पादन में टिकाऊपन, पर्यावरण-मित्रता, गुणवत्ता, सुरक्षा और उचित श्रम का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए पुनर्घर्कण योग्य और गैर-विषाक्त सामग्री का उपयोग करना चाहिए, न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करना चाहिए, और कचरे को कम करते हुए स्वच्छ ऊर्जा का प्रयोग करना चाहिए। उत्पादन प्रक्रिया में गुणवत्ता मानकों का पालन करना, पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करना और उचित श्रम और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।</p> <p>It is important to use durability, eco-friendliness, quality, safety and fair labour in the production of goods for our current use. This includes using recyclable and non-toxic materials, using minimum resources, And clean energy should be used while reducing waste. It is also necessary to follow quality standards in the production process, reduce negative impacts on the environment, and ensure proper labor and safety.</p>	
	5	<p>आज के नवीकरणीय संसाधनों को अत्यधिक उपयोग, प्रदूषण या प्राकृतिक प्रक्रियाओं में बाधा डालकर कल गैर-नवीकरणीय बनाया जा सकता है, जैसे वनों की कटाई, अत्यधिक मछली पकड़ना, या</p>	

	भूजल का अत्यधिक दोहन। इसे रोकने के लिए टिकाऊ उपयोग, वनीकरण, संसाधनों का संरक्षण और उचित प्रबंधन जैसी सतत प्रथाओं का पालन करना ज़रूरी है। Today's renewable resources can be made non-renewable tomorrow by overuse, pollution, or disruption of natural processes, such as deforestation, overfishing, or overdrafting of groundwater. To prevent this, it is important to follow sustainable practices like sustainable use, afforestation, conservation of resources and proper management.	
6	मनुष्यों के लिए उपयोगी चार मुख्य पारिस्थितिकी तंत्र कार्य हैं: प्रावधान सेवाएं, जैसे भोजन और पानी की आपूर्ति; विनियमन सेवाएं, जैसे जलवायु नियंत्रण और जल शोधन; सहायक सेवाएं, जैसे परागण और पोषक तत्व चक्रण; और सांस्कृतिक सेवाएं, जो मनोरंजक और आध्यात्मिक लाभ प्रदान करती हैं। There are four main ecosystem functions useful to humans: provisioning services, such as the supply of food and water; regulating services, such as climate control and water purification; supporting services, such as pollination and nutrient cycling; and cultural services, which provide recreational and spiritual benefits.	
7	यदि विजयनगर साम्राज्य तालीकोटा का युद्ध जीत जाता, तो दक्षिण भारत की राजनीतिक शक्ति संतुलन अलग होता, और विजयनगर साम्राज्य का विघटन शायद टल जाता, जिससे क्षेत्रीय शक्तियों के उदय में देरी होती। हालाँकि, साम्राज्य की आंतरिक कमजोरियाँ, जैसे विकेन्द्रीकृत प्रशासन, अंततः उसके पतन का कारण बन सकती थीं, जिससे मुगलों को क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित करने का बेहतर मौका मिल सकता था। If the Vijayanagara Empire had won the Battle of Talikota, the political power balance in South India would have been different, and the disintegration of the Vijayanagara Empire might have been averted, delaying the rise of regional powers. However, the empire's internal weaknesses, Such decentralised administration would eventually lead to its downfall, giving the Mughals a better chance to establish control over the region.	
8	वाघनख एक मुट्ठी के आकार का, बाघ के पंजे जैसा दिखने वाला खंजर है, जो भारतीय उपमहाद्वीप में उत्पन्न हआ है। इसमें चार या पाँच घुमावदार ब्लेड होते हैं जो एक क्रॉसबार से जुड़े होते हैं, और इसे हाथ की हथेली के नीचे छिपाकर पहना जाता है। The Vaghnakh is a fist-sized, tiger-claw-like dagger that originated in the Indian subcontinent. It has four or five curved blades attached to a crossbar, and is worn hidden under the palm of the hand	
9	मराठा अक्सर चौथ और सरदेशमुखी नामक दो कर लगाते थे। The Marathas often levied two taxes called Chauth and Sardeshmukhi.	
10	थोड़े बदलाव के साथ घुड़सवार सेना भी इसी तरह संगठित थी। घुड़सवार सेना में दो प्रकार के सैनिक होते थे - बागीर, जिन्हें राज्य द्वारा घोड़े और उपकरण प्रदान किए जाते थे, और शिलेदार, जो अपने घोड़े और----- The cavalry was also organised in a similar way with slight variations. The cavalry consisted of two types of soldiers - the Bagirs, who were provided with horses and equipment by the state, and the Shiledars, who were equipped with their own horses and muskets.	
11	मुगल काल के दो सबसे लोकप्रिय और प्रचलित सिक्के थे रुपया (चांदी का) और दाम (तांबे का)। The two most popular and circulated coins of the Mughal period were the Rupee (silver) and the Dam (copper).	
12	पाइक प्रणाली एक प्राचीन कोरवी-श्रम या सैन्य-प्रशासनिक व्यवस्था थी जो मुख्य रूप से अहोम साम्राज्य (अहोम साम्राज्य) में प्रचलित थी। The Paik system was an ancient corvée-labour	

	or military-administrative system prevalent mainly in the Ahom kingdom (Ahom Kingdom)	
Q 11	<p>प्राकृतिक संसाधनों के असंतुलित उपयोग या अतिशेषण से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ता है, जिससे वर्नों की कटाई, <u>मृदा अपरदन</u>, पानी की कमी और <u>जलवायु परिवर्तन</u> जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं, कई प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर पहुँच जाती हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधनों की कमी हो जाती है।</p> <p>पर्यावरणीय प्रभाव</p> <p><b>पारिस्थितिक तंत्र का हास:</b></p> <p>अतिशेषण से आवास नष्ट होते हैं, जिससे प्रजातियाँ संकटग्रस्त हो जाती हैं और पारिस्थितिक तंत्र में असंतुलन पैदा होता है।</p> <p><b>जलवायु परिवर्तन:</b></p> <p>जीवाशम ईंधनों जैसे संसाधनों के अत्यधिक उपयोग से जलवायु परिवर्तन बढ़ता है, जो फिर जैव विविधता की हानि को बढ़ाता है।</p> <p><b>जल संसाधनों पर दबाव:</b></p> <p>ज़मीन के नीचे के पानी (जैसे कि एक्वीफर) का अत्यधिक उपयोग, उसके पुनर्भरण दर से तेज़ होने पर, पानी की कमी का कारण बनता है।</p> <p><b>वर्नों की कटाई और मृदा अपरदन:</b></p> <p>कृषि और शहरी विकास के लिए वर्नों की अंधाधुंध कटाई से मिट्टी का क्षरण होता है, जिससे उत्पादकता और पारिस्थितिक तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।</p> <p>जैविक प्रभाव</p> <p><b>प्रजातियों का विलुप्त होना:</b></p> <p>पौधों और जानवरों का निर्माण सामग्री, फर, भोजन आदि के लिए शोषण करने से कई प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर पहुँच जाती हैं।</p> <p><b>जैव विविधता का क्षरण:</b></p> <p>प्राकृतिक आवासों के विनाश से जैव विविधता कम होती है, जिससे पारिस्थितिक तंत्र की कार्यक्षमता बाधित होती है।</p> <p>सामाजिक और आर्थिक प्रभाव</p> <p><b>भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों की कमी:</b></p> <p>संसाधनों का इस तरह से उपयोग करना कि प्रकृति की पुनर्योजी क्षमता से अधिक हो जाए, नवीकरणीय संसाधनों को दुर्लभ बना देता है और गैर-नवीकरणीय संसाधनों को समाप्त कर देता है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए कोई संसाधन नहीं बचता।</p> <p><b>संघर्ष और अस्थिरता:</b></p> <p>संसाधनों के अतिशेषण के कारण समुदायों और हितधारकों के बीच तनाव और संघर्ष पैदा होता है, जो जल प्रदूषण और भूमि के लिए विवादों को जन्म देता है।</p>	
	मराठा पश्चिमी भारत के योद्धा और किसानों का एक समूह था, जिसने 17वीं शताब्दी में छत्रपति शिवाजी महाराज के नेतृत्व में एक शक्तिशाली सामाज्य की स्थापना की। वे मुगलों के विरुद्ध अपनी विजय के लिए जाने जाते थे और गुरिल्ला युद्ध की रणनीति, कुशल प्रशासन व एक मजबूत	

2	<p>नौसैनिक बल के विकास के माध्यम से अंग्रेजों के आने से पहले भारत की सबसे बड़ी अखिल भारतीय शक्ति बन गए थे।</p> <p><b>मराठा कौन थे?</b></p> <p>मराठा मूल रूप से पश्चिमी दक्कन पठार से उत्पन्न एक समुदाय है, जिसमें किसान और योद्धा शामिल थे।</p> <p>उनकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि समृद्ध थी और भक्ति आंदोलन ने उन्हें एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।</p> <p>छत्रपति शिवाजी महाराज ने 1674 में रायगढ़ किले में मराठा साम्राज्य की नींव रखी, जो न्यायपूर्ण शासन और विदेशी शासन के प्रतिरोध पर केंद्रित था।</p>	
---	--	--